UGC CARE Listed (Arts and Humanities)

ISSN : 2347-9892

शोधप्रज्ञा

Śodha-prajñā

अर्द्धवार्षिकी, अन्ताराष्ट्रिया, मूल्याङ्किता, समीक्षिता च शोधपत्रिका

Biannual, International, Refereed / Peer Reviewed and
UGC CARE Listed (Arts & Humanities) Research Journal

वर्षम् - दशमम् अङ्कः - विंशतिः जूनमासः - 2023

प्रधानसम्पादकः

प्रो. दिनेशचन्द्रशास्त्री

कुलपतिः

सम्पादकः

डॉ. अरुणकुमारमिश्रः

सहसम्पादकः

श्रीमतिमीनाक्षीसिंहरावतः

प्रकाशकः

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

उत्तराखण्डम्

शोधप्रज्ञा

अर्द्धवार्षिकी, अन्ताराष्ट्रिया, मूल्याङ्किता, समीक्षिता च शोधपत्रिका

संरक्षकौ

आचार्यः बालकृष्णः

आनन्दपीठाधीश्वरः महाराजश्रीबालकानन्दमहोदयः

परामर्शदातृसमितिः

प्रो. श्रीनिवासः बरखेड़ी
प्रो. सुनीलकुमारजोशी
प्रो. मुरलीमनोहरपाठकः
प्रो. हरेरामत्रिपाठी
प्रो. सुरेखाडंगवालः
प्रो. सोमदेवशतांशुः
प्रो. प्रह्लादजोशी
डॉ. ललितपटेलः

सम्पादकमण्डलम्

प्रो. दिनेशचन्द्रचमोला
डॉ. कामाख्याकुमारः
डॉ. हरीशचन्द्रतिवाडी
डॉ. विनयसेठी
डॉ. अजयपरमारः
डॉ. सुमनप्रसादभट्टः
डॉ. कंचनतिवारी
श्री सुशीलचमोली

शोधलेखमूल्यांकनसमितिः

प्रो. उपेन्द्रकुमारत्रिपाठी
डॉ. रंजनकुमारत्रिपाठी
डॉ. प्रतिभा शुक्ला
डॉ. शैलेशकुमारतिवारी
डॉ. विन्दुमतीद्विवेदी
डॉ. वेदव्रतः
डॉ. अरुणकुमारमिश्रः

प्रबन्धसम्पादकः

श्रीगिरीशकुमारः अवस्थी

वित्तव्यवस्थापकः

श्रीलखेन्द्रगौथियालः

टंकणकर्ता

श्री जितेन्द्रसिंहः

Śodha-prajñā

UGC CARE Listed (Arts and Humanities)
(Half-Yearly, International Refereed & Peer Reviewed Research Journal of Uttarakhand Sanskrit University)

Chief Editor : Prof. Dinesh Chandra Shastri

Editor : Dr. Arun Kumar Mishra
Co. Editor : Smt Meenakshi Singh Rawat

Editors
Prof. Dinesh Chandra Chamola
Dr. Kamakhya Kumar
Dr. Harish Chandra Tiwadi
Dr. Vinay Sethi
Dr. Ajay Parmar
Dr. Suman Prasad Bhatta
Dr. Kanchan Tiwari
Sh. Sushil Chamoli

Reviewer
Prof. Upendra Kumar Tripathi
Prof. Ranjan Kumar Tripathi
Dr. Pratibha Shukla
Dr. Shailesh Kumar Tiwari
Dr. Bindumati Dwivedi
Dr. Ved Vrat
Dr. Arun Kumar Mishra

Managing Editor
Shri Girish Kumar Awasthi

Finance Controller
Shri Lakhendra Gothyal

We are bound to grant an international platform for researchers in the area of Sanskrit Studies. We welcome the papers related to Sanskrit Studies including all the fields like veda, Vedic Sahitya, Darshan, Sanskrit Poetics, Sanskrit Literature, Sanskrit Grammar, Epics, Puranas, Jyotish, Comparative literature, Interdisciplinary and Oriental Studies. We would like to encourage papers related to Ancient Indian Sciences and Philosophy.

We invite authentic, scholarly and unpublished research papers for publication. Research papers submitted for publication will be evaluated by the refrees of the Journal and only those which receive favourable comments, will be published and the author will be informed.

RNI : UTTMUL00029 ISSN : 2347-9892
© Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar, Uttarakhand, India

Subscription Charges
Rs. 500/- Single copy Rs. 1000/- Annual Rs. 5000/- Five Years

The views expressed in the publication are the individual opinion of the author(s) and do not represent or reflect the opinion of the Editor and Editorial board nor subscribe to these views in any way. All disputes are subject to jurisdiction of the District Court Haridwar, Uttarakhand only.

Editor-in-Chief
For Subscription and related enquiries feel free to contact :
The Managing Editor
Śodha-prajñā
Uttarakhand Sanskrit University
Bhadrabad, Haridwar - 249402
(Uttarakhand) India.

क्रम सं.	विषय	नाम	पृष्ठ सं.
24.	वैदिक ऋचाओं में भक्तितत्त्व	चंदा	116
25.	महाभारत में उपलक्षित कुटुंब विमर्श	डॉ. जहाँ आरा	120
26.	आध्यात्मिक उन्नति और योग का आधुनिक प्रौद्योगिकी जनित तनाव प्रबंधन के संदर्भ में महत्व	मुकेश कुमार पाठक डॉ. सत्यानन्द	126
27.	साहित्य-संगीत का संगम : संस्कृत संगीतिकाएँ	डॉ. नौनिहाल गौतम	131
28.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पर्यावरणीय चेतना	विनय कुमार सेठी श्वेता अवस्थी	136
29.	गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के 'भारतोदय' पत्र की हिन्दी और संस्कृत को देन	डॉ. प्रविंद्र कुमार	140
30.	हिमकवि चँद्रकुँवर बर्त्वाल और इंद्रबहादुर खरे की काव्यानुभूतियों का संक्षिप्त अध्ययन	कु. रेखा रानी प्रो. दिनेश चन्द्र चमोला	145
31.	अर्वाचीन संस्कृत कविता में राष्ट्रिय चेतना	डॉ. राम रतन खण्डेलवाल डॉ. गणेश भागवत	151
32.	वाल्मीकि रामायण में नारी के प्रति समाज का दृष्टिकोण	डॉ. अखिलेश कुमार गौरव सिंह	161
33.	योगबीज में प्रतिपादित योग का स्वरूप	डॉ. देवेश कुमार मिश्र	165
34.	ऑनलाइन शिक्षा के अपने-अपने तर्क	डॉ. अरविन्दनारायण मिश्र	175
35.	घेरण्ड संहिता में वर्णित षट्कर्मों की योग चिकित्सा में उपयोगिता	डॉ. लक्ष्मी नारायण जोशी डॉ. अर्पिता नेगी	179
36.	हास्य चिकित्सा:एक स्वस्थ जीवन पद्धति	भाषा चौहान	187
37.	फेसबुक के माध्यम से राजनीतिक सूचनाओं का अवलोकन	विनीत कुमार	191
38.	वर्तमान परिदृश्य में प्राणायाम की प्रासंगिकता	रश्मि तिवारी	197
39.	महाभारत: मानवीय शिक्षा का महाकाव्य	मौनाक्षी सिंह रावत	203
40.	योग ग्रन्थों में वर्णित नाड़ीशोधन श्वांस तकनीक की तनाव प्रबन्धन में उपादेयता	सेतवान डॉ. नवीन	209
41.	भारतीय ज्ञानपरम्परा में महिला 'चूडालोपाख्यान' के विशेष सन्दर्भ में	डॉ. ममता त्रिपाठी	214
42.	रामायण में पर्यावरण संचेतना	डॉ. सुचित्रा भारती	220
43.	ज्योतिषशास्त्र में नेत्र रोग विचार एवं उपचार	डॉ. रतन लाल	224
44.	महाकवि माघ का ऋतुवर्णन	डॉ. सुजाता शाण्डिल्य	230
45.	वाल्मीकि रामायण में वर्णित नैतिक मूल्य	डॉ. वेदव्रत	234

फेसबुक के माध्यम से राजनीतिक सूचनाओं का अवलोकन

विनीत कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
राजकीय महाविद्यालय,
चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी।

सारांश:-

लोकतन्त्र के प्रत्येक स्वरूप में सरकार का निर्माण करने तथा जनता की आवश्यकताओं व आंकाक्षाओं की पूर्ति न होने पर सरकार को बदलने की आवश्यकता होती हैं। चुनाव प्रक्रिया के द्वारा ही सरकार का निर्माण एवं सत्ता परिवर्तन संभव होता है। चुनाव जीतकर सरकार बनाने हेतु राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों द्वारा जनमत का निर्माण अपने पक्ष में करने के लिए जनता के राजनीतिक व्यवहार में परिवर्तन करने का यथासंभव प्रयास किया जाता है। राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करने के लिए मीडिया का उपयोग किया जाता है। तकनीकि विकास के कारण मीडिया का स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया है। सोशल मीडिया का एक महत्वपूर्ण व सर्वाधिक प्रयोग किये जाने वाला प्लेटफार्म फेसबुक है। विभिन्न शोध बताते है कि फेसबुक सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। क्या फेसबुक सामाजिक जीवन के एक अंग राजनीतिक व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है, की जांच के लिए उत्तराखण्ड के तीन जिलों में से सौ वयस्क फेसबुक उपयोगकर्ताओं का प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ा एकत्र किया गया। आंकड़ों की जांच में पाया गया कि फेसबुक वयस्क उपयोगकर्ताओं को राजनीतिक सूचनाएं प्रदान करता है तथा वयस्क फेसबुक उपयोगकर्ता फेसबुक द्वारा प्रदान की गयी राजनीतिक सूचनाओं का अवलोकन करते हैं।

कीवर्ड:- लोकतन्त्र, राजनीतिक व्यवहार, सोशल मीडिया, फेसबुक।

प्रस्तावना:-

लोकतन्त्र की उदारवादी, बहुलवादी या विशिष्ट वर्गीय व्यवस्थाओं में से प्रत्येक व्यवस्था में जनता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लोकतन्त्र में जनता की इच्छा के अनुसार ही सरकार का निर्माण होता है। सरकार जनता की आवश्यकताओं एवं आंकाक्षाओं की पूर्ति करने का कार्य करती है। सरकार द्वारा जनता की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं की पूर्ति न होने पर सरकार को बदलने की आवश्यक होती है। चुनाव प्रक्रिया के द्वारा ही सरकार का निर्माण एवं सत्ता परिवर्तन संभव होता है। प्रत्येक लोकतन्त्र में चुनाव प्रक्रिया अपनायी जाती है तथा मतदाताओं के समर्थन को प्राप्त करने के लिए राजनेताओं व राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न प्रयास किये जाते है। मतदाताओं का समर्थन उनके मतदान व्यवहार पर निर्भर करता है। मतदान व्यवहार, राजनीतिक व्यवहार का ही एक रूप है। राजनीतिक व्यवहार का आशय किसी लोकतान्त्रिक राजनीतिक प्रणाली में चुनाव के संदर्भ में मतदाताओं के व्यवहार से है।

मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक कारकों में भाषा, धर्म, क्षेत्र, व्यक्तित्व, धन, सत्ताधारी दल का प्रदर्शन, दलीय पहचान, जाति, विचारधारा, आयु, लिंग, शिक्षा, बसावट, परिवार एवं नातेदारी, उम्मीदवार की उन्मुखता, चुनाव अभियान, राजनीतिक परिवार की पृष्ठभूमि, गुटबाजी, चुनाव के समय आर्थिक दशाएं, चुनाव पूर्व घटी कुछ राजनीतिक घटनाएं तथा मीडिया की भूमिका है। मतदान व्यवहार को प्रभावित करने में मीडिया की अहम भूमिका रही है क्योंकि सूचना के प्रसार का सबसे बड़ा माध्यम मीडिया ही है। तकनीकि उन्नति के द्वारा मल्टीमिडिया फोन, कम्प्यूटर, सोशल साइटों का विकास, इंटरनेट की उपलब्धता से सोशल मीडिया की उत्पत्ति हुई है। सोशल मीडिया ने कम समय में, कम कीमत पर, बहुत अधिक उपभोगताओं तक अपनी पहुंच सुनिश्चित की है। सोशल मीडिया ने सम्पूर्ण विश्व में त्वरित सूचना तंत्र उपलब्ध कराया है।